UP Board Solutions for Class 8 Hindi Chapter 33 शहीद भगत सिंह (महान व्यक्तित्व)

अभ्यास-प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

प्रश्न 1.
भगत सिंह ने शीशी में भरी मिट्टी को शहीदों का खून क्यों कहा?
उत्तर :
भगत सिंह ने शीशी में भरी मिट्टी को शहीदों का खून कहा क्योंकि इसमें जलियाँवाला बाग हत्याकांड में मरे निर्दोष, निहत्थे भारतीयों का खून था।

प्रश्न 2.
भगत सिंह शादी की खबर सुनकर क्यों दुखी हुए और उन्होंने अपने दोस्तों से क्या कहा?
उत्तर :
भगत सिंह तन, मन और धन से देश के लिए बलिदान देने की प्रतिज्ञा कर चुके थे। इसलिए वे विवाह नहीं करना चाहते थे। उन्होंने अपने दोंस्तों से कहा- "दोस्तों मैं आपको बता दें कि अगर मेरी शादी गुलाम भारत में हुई तो मेरी दुल्हन, सिर्फ मौत होगी, बारात शवयात्रा बनेगी और बाराती होंगे शहीद।

प्रश्न 3.
नौजवान सभा का उद्देश्य क्या था?
उत्तर :
नौजावान सभा का उद्देश्य भारत को स्वतन्त्र कराना, देशभक्ति जाग्रत् करना, विभिन्न आन्दोलनों में सहयोग करना और किसान, मजदूरों को संगठित करना था।

प्रश्न 4.
भगत सिंह ने जेल में भूख हड़ताल क्यों की?
उत्तर :
भगत सिंह ने जेल में भूख हड़ताल इसलिए की क्योंकि वहाँ भारतीय कैदियों को अच्छा खाना नहीं दिया जाता था। बाध्य होकर अँग्रेजों ने अच्छे भोजन की व्यवस्था की।

प्रश्न 5.
क्रान्ति से भगत सिंह का आशय क्या था?
उत्तर :
क्रान्ति के पीछे वास्तविक शक्ति जनता द्वारा समाज की आर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन करने की इच्छा होती है।

प्रश्न 6.
सही कथन पर **(✓)** और असत्य कथन पर **(✗)** चिह्न लगाइए

- 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। **(✓)**

https://www.evidyarthi.in/

- भगत सिंह और सुखदेव ने असेम्बली में बम फेंका। **(✗)**
- भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को फाँसी की सजा सुनाई गई। **(✗)**
- गणेश शंकर विद्यार्थी ने नौजवान सभा का गठन किया। **(✗)**
- भगत सिंह की बड़ी बहन का नाम अमरो था। **(✓)**

प्रश्न 7.
इन वाक्यों का क्या आशय है?
(1) बेबे तुम चिंता मत करो और रोटी बनाओ।
आशय – फाँसी से पहले जब भगत सिंह की आखिरी इच्छा पूछी गई तो उन्होंने उस महिला के हाथ की बनी रोटी खाने की इच्छा व्यक्त की जो जेल में उनके कमरे की सफाई करती थी और जिसे वे आदर से बेबे कहते थे। लेकिन उसके यह कहने पर की मेरे हाथ पवित्र कहाँ हैं, भगत सिंह ने उक्त बात कही थी।

क्रान्ति से हमारा आशय खूनखराबा नहीं है।
आशय – क्रान्ति उसे कहते हैं जिसमें जनता की इच्छा से आवश्यक परिवर्तन लाए जाएँ, जो लोकहित में हो और इन्हें लाने के लिए हिंसा जरूरी नहीं।।

बहरों को सुनाने के लिए बहुत ऊँची आवाज की आवश्यकता होती है।
आशय – अँग्रेजों के कान खोलने के लिए डर दिखाना जरूरी था, जिससे अत्याचार करना छोड़ देते।

https://www.evidyarthi.in/